भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4375

उत्तर देने की तारीख 27.03.2025

जनजातीय संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन

+4375. श्री विष्णु दयाल रामः

क्या **जनजातीय कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार ने देश में जनजातीय संस्कृति और विरासत के परिरक्षण, प्रलेखन और संवर्धन के लिए विशिष्ट पहल की हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान जनजातीय कला, भाषा और सांस्कृतिक प्रथाओं के संरक्षण के लिए आवंटित और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने जनजातीय सांस्कृतिक परियोजनाओं की प्रमाणिकता और स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए जनजातीय समुदायों, विशेषज्ञों अथवा संस्थाओं के साथ सहयोग किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क): जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने देश में जनजातीय संस्कृति और विरासत के संरक्षण, प्रलेखन और संवर्धन के लिए विभिन्न पहल की हैं। केंद्र प्रायोजित योजना 'जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) को सहायता' के तहत मंत्रालय राज्यों/संघ शासित प्रदेशों (यूटी) द्वारा प्रस्तुत वार्षिक कार्य योजना के आधार पर राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में 29 जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) को वित्तीय सहायता प्रदान करता है, जो जनजातीय कार्य मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता वाली शीर्ष समिति के अनुमोदन के अधीन है। योजना के तहत, बुनियादी ढांचे की जरूरतों से संबंधित प्रस्तावों, अनुसंधान और प्रलेखन गतिविधियों और प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, जनजातीय त्योहारों के आयोजन, अनूठी सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यात्राओं और जनजातियों द्वारा आदान-प्रदान यात्राओं को आयोजित किया जाता है ताकि उनकी सांस्कृतिक प्रथाओं, भाषाओं और अनुष्ठानों को संरक्षित और प्रसारित किया जा सके। मंत्रालय ने जनजातीय समुदायों के सामाजिक-सांस्कृतिक, शैक्षिक और आर्थिक विकास के लिए गतिविधियों की दिशा में राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के जनजातीय अनुसंधान संस्थानों को विभिन्न परियोजनाएं स्वीकृत की हैं। टीआरआई मुख्य रूप से राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत आने वाली संस्थाएँ हैं। मंत्रालय जनजातीय सांस्कृतिक और विरासत के संरक्षण/दस्तावेजीकरण और संवर्धन के लिए निम्नलिखित पहलें करता है, जो निम्नानुसार हैं:

i. मंत्रालय ने जनजातीय लोगों के वीरतापूर्ण और देशभक्तिपूर्ण कार्यों को आभार प्रकट करने तथा क्षेत्र की समृद्ध जनजातीय सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए 10 राज्यों में 11 जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों को मंजूरी दी है। इनके अलावा विभिन्न जनजातियों के जीवन और संस्कृति से संबंधित दुर्लभ कलाकृतियाँ, पोशाकें, आभूषण, हथियार आदि प्रदर्शित करने के लिए नृवंशविज्ञान संग्रहालय भी स्वीकृत किए गए हैं।

ii. जनजातीय अनुसंधान संस्थान राष्ट्रीय जनजातीय शिल्प मेला, राष्ट्रीय/राज्य जनजातीय नृत्य महोत्सव, कला प्रतियोगिता, जनजातीय चित्रों पर कार्यशाला-सह-प्रदर्शनी तथा राज्य स्तरीय जनजातीय कवि और लेखक सम्मेलन जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इसके अलावा मंत्रालय जनजातीय मेलों और उत्सवों, तेलंगाना की कोया जनजाति द्वारा आयोजित "मेदाराम जात्रा", नागालैंड का हॉर्नबिल महोत्सव, झारखंड का सरहुल महोत्सव, गोवा का लोकोत्सव और मिजोरम का पावल कुट महोत्सव आदि जैसे उत्सवों के आयोजन के लिए निधियां उपलब्ध कराता है।

iii. जनजातीय भाषाओं के संरक्षण सहित समृद्ध जनजातीय सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए दृश्य-श्रव्य (ऑडियो विजुअल) वृत्तचित्रों सहित पुस्तकों/दस्तावेजों का शोध अध्ययन/प्रकाशन।

iv. जनजातीय चिकित्सकों और औषधीय पौधों, जनजातीय भाषाओं, कृषि प्रणाली, नृत्य और चित्रकला, साहित्यिक उत्सवों का आयोजन, जनजातीय लेखकों द्वारा लिखित पुस्तकों का प्रकाशन, अनुवाद कार्य और साहित्य प्रतियोगिताओं आदि द्वारा स्वदेशी प्रथाओं का अनुसंधान और प्रलेखन। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार बहुभाषी शिक्षा (एमएलई) उपाय के तहत जनजातीय भाषाओं में कक्षा 1, 2 और 3 के छात्रों के लिए द्विभाषी शब्दकोश, त्रिभाषी प्रवीणता मॉड्यूल, प्रवेशिकाएं (प्राइमर) तैयार करना। जनजातीय भाषाओं में वर्णमाला, स्थानीय कविताएं और कहानियां प्रकाशित करना। जनजातीय साहित्य को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न जनजातीय भाषाओं पर किताबें, पत्रिकाएँ प्रकाशित करना। जनजातीय लोक परंपरा के संरक्षण और संवर्धन के लिए विभिन्न जनजातियों के लोककथाओं और लोककहानियों का प्रलेखन करना। मौखिक साहित्य (गीत, पहेलियां, गाथागीत आदि) एकत्र करना।

v. मंत्रालय ने एक खोज योग्य डिजिटल रिपोजिटरी विकसित की है, जहाँ सभी शोध पत्र, पुस्तकें, रिपोर्ट और दस्तावेज, लोकगीत, फोटो/वीडियो अपलोड किए जाते हैं। रिपोजिटरी को https://repository.tribal.gov.in/ (जनजातीय डिजिटल दस्तावेज रिपोजिटरी) पर देखा जा सकता है।

vi. भारत सरकार ने सभी जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने, स्वतंत्रता संग्राम और सांस्कृतिक विरासत में उनके योगदान को याद करने और जनजातीय क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास के प्रयासों को पुनः सक्रिय करने के लिए 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया है। जनजातीय कार्य मंत्रालय अन्य केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और अन्य संस्थानों के साथ मिलकर 2021 से अपने जनजातीय लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास का जश्न मना रहा है।

vii. अनुसूचित जनजाति के छात्रों के बीच जनजातीय भाषाओं के संरक्षण और अधिगम की उपलब्धि के स्तर को बढ़ाने के लिए द्विभाषी प्रवेशिकाओं (प्राइमरों) का विकास। विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा कई भाषा प्रवेशिकाएं (प्राइमर) विकसित किए गए हैं।

viii. जनजातीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम।

ix. ट्राइफेड जनजातीय उत्पादकों के आधार का विस्तार करने के लिए राज्यों/जिलों/गांवों में सोर्सिंग स्तर पर नए कारीगरों और नए उत्पादों की पहचान करने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर आदि महोत्सव उत्सव और जनजातीय कारीगर मेलों (टीएएम) का भी आयोजन करता है।

इसके अलावा, संस्कृति मंत्रालय जनजातीय संस्कृति सहित भारत की विविध संस्कृति की सुरक्षा और संरक्षण के अपने बड़े अधिदेश के हिस्से के रूप में संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए नोडल मंत्रालय है। देश भर में जनजातीय संस्कृति सहित लोक कला और संस्कृति के विभिन्न रूपों की रक्षा, प्रचार और संरक्षण के लिए, संस्कृति मंत्रालय ने 1985-86 के दौरान देश में सात आंचलिक सांस्कृतिक केंद्र (जेडसीसी) स्थापित किए हैं जिनके मुख्यालय पटियाला, नागपुर, उदयपुर, प्रयागराज, कोलकाता, दीमापुर और तंजावुर में हैं। जनजातीय संस्कृति को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के लिए संस्कृति मंत्रालय के आंचलिक सांस्कृतिक केंद्रों (जेडसीसी) के माध्यम से विभिन्न त्यौहार जैसे हॉर्नबिल महोत्सव, ऑक्टेव, जनजातीय नृत्य महोत्सव, आदि बिंब, आदि सप्त पल्लव, आदि लोक रंग, जनजातीय महोत्सव, राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव आदि आयोजित किए जाते हैं।

इसके अलावा, भारत सरकार 15 नवंबर 2024 से 15 नवंबर 2025 तक भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मना रही है।

(ख): टीआरआई को सहायता की योजना के तहत, मंत्रालय ने विभिन्न परियोजनाओं/गतिविधियों को मंजूरी दी है, जिसमें राज्यों/संघ शासित प्रदेशों द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर केंद्र सरकार द्वारा 100% वित्त पोषण प्रदान किया जाता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान जनजातीय कला, भाषा और सांस्कृतिक प्रथाओं के संरक्षण के लिए योजना के तहत राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के टीआरआई को जारी की गई निधियों का विवरण **अनुलग्नक-I** में है और योजना के तहत स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों/परियोजनाओं का विवरण मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट https://tribal.nic.in/TRI.aspx पर उपलब्ध है।

(ग): जनजातीय कार्य मंत्रालय केन्द्रीय क्षेत्र योजना "जनजातीय अनुसंधान, सूचना, शिक्षा, संचार और कार्यक्रम (टीआरआई-ईसीई)" के अंतर्गत प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों/ संगठनों/ विश्वविद्यालयों को जनजातीय मुद्दों पर अनुसंधान अध्ययनों के अंतरों को पूरा करने और समृद्ध जनजातीय सांस्कृतिक, परंपराओं और रीति-रिवाजों को बढ़ावा देने, साथ ही जनजातीय मामलों से जुड़े जनजातीय व्यक्तियों/संस्थाओं की क्षमता निर्माण, सूचना का प्रसार और जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न अनुसंधान अध्ययन/पुस्तकों का प्रकाशन/श्रव्य दृश्य वृत्तचित्रों सहित प्रलेखन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इसके अलावा, जैसा कि बताया गया है, विभिन्न राज्य/संघ राज्यक्षेत्र जनजातीय अनुसंधान संस्थानों ने जनजातीय सांस्कृतिक परियोजनाओं की प्रामाणिकता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए जनजातीय समुदायों, विशेषज्ञों या संस्थानों के साथ सहयोग किया है।

अनुलग्नक-I

दिनांक 27.03.2025 को उत्तर हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4375 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित विवरण

पिछले तीन वर्षों के दौरान जनजातीय कला, भाषा और सांस्कृतिक प्रथाओं के संरक्षण के लिए स्वीकृत धनराशि का विवरण क्रमशः अनुलग्नक में दिया गया है।

अनुलग्नक-I (क)

क्र. सं.	राज्य का नाम	वित्तीय वर्ष	परियोजना का नाम	परियोजना राशि (लाख में)
1	आंध्र प्रदेश	2023-2024	जनजातीय कलाकारों और कारीगरों के बीच कौशल उन्नयन	50
2		2023-2024	एक दिवसीय राज्य स्तरीय जनजातीय चित्रकला/कला प्रतियोगिता का आयोजन एवं प्रख्यात जनजातीय कलाकारों का सम्मान	15
3		2022-2023	एक दिवसीय राज्य स्तरीय जनजातीय चित्रकला/कला प्रतियोगिता का आयोजन एवं प्रख्यात जनजातीय कलाकारों का सम्मान	15
4		2022-2023	राज्य में जनजातीय कला और कलाकारों के बीच जनजातीय प्रतिभा खोज गतिविधि (9 आईटीडीए क्षेत्र)	90
5		2021-2022	एक दिवसीय राज्य स्तरीय जनजातीय चित्रकला या कला प्रतियोगिता का आयोजन और प्रख्यात जनजातीय कलाकारों का सम्मान।	10
6		2021-2022	जनजातीय कलाकारों और कलाकारों के लिए डेटाबेस बनाना और क्षमता निर्माण करना।	5
7	असम	2023-2024	प्रदर्शनी स्थल पर जनजातीय कारीगरों द्वारा निर्मित बांस उत्पादों की कार्यशाला एवं प्रदर्शनी	12
8	छत्तीसगढ़	2021-2022	राज्य स्तरीय जनजातीय कला एवं चित्रकला प्रतियोगिता	10
9	एनटीआरआई दिल्ली	2021-2022	जनजातीय कलाकृतियों का रासायनिक उपचार एवं मरम्मत	15
10		2021-2022	जनजातीय नृत्य, जनजातीय कला या शिल्प प्रदर्शनी और जनजातीय व्यंजन प्रदर्शनी (40 कारीगरों/कलाकारों की भागीदारी वाली एक माह में दो बार एक सप्ताह की अवधि) आयोजित करके आजीविका को बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम।	150

11	गुजरात	2021-2022	विशेष परियोजनाओं ने जनजातीय कारीगरों के लिए एकता मॉल, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में 1 दुकान का अधिग्रहण किया	16.64
12		2021-2022	एकेएएम जनजातीय कला और शिल्प प्रतियोगिता	10.75
13	हिमाचल प्रदेश	2021-2022	जनजातीय कला/शिल्प महोत्सव - लाहौल	15
14		2021-2022	जनजातीय चित्रकला - कला प्रतियोगिता एवं जनजातीय कलाकारों एवं उद्यमियों का सम्मान - स्पीति	10
15	जम्मू और कश्मीर	2023-2024	जनजातीय कला एवं शिल्प प्रदर्शनी	15
16		2023-2024	सांस्कृतिक उत्सवों और कार्यक्रमों के लिए जनजातीय कलाकारों और कारीगरों द्वारा विभिन्न राज्यों का दौरा	20
17		2021-2022	जनजातीय कारीगरों के साथ लघु वनोपज के मूल्य संवर्धन और खाद्य प्रसंस्करण पर स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को प्रशिक्षण	20
18	जम्मू और कश्मीर	2021-2022	एकेएएम राज्य स्तरीय जनजातीय चित्रकला कला प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है और जनजातीय कलाकारों और उद्यमियों को सम्मानित कर रहा है (डाक या कूरियर द्वारा प्रविष्टियां आमंत्रित की जा रही हैं) और स्थिति के अनुसार उन्हें आभासी या वास्तविक रूप से सम्मानित कर रहा है	10
19	केरल	2023-2024	इरिबल नृत्य एवं संगीत महोत्सव (ट्राइबल आर्ट फेस्टिवल) (एमओटीए) इरिबल कला एवं हस्तशिल्प महोत्सव (ट्राइबल आर्ट फेस्टिवल)	56.8
20		2023-2024	जनजातीय चित्रकलाओं का प्रदर्शन, बिक्री और प्रदर्शन (जनजातीय कला एवं हस्तशिल्प महोत्सव)	4.1
21		2023-2024	जातीय व्यंजन महोत्सव (जनजातीय कला महोत्सव)	9
22		2023-2024	लुप्त हो रहे जनजातीय कला रूपों और मौखिक साहित्य का दस्तावेजीकरण और उनके पुनरुद्धार के लिए कार्यशाला	12.65
23	मेघालय	2022-2023	जनजातीय कला और शिल्प को बढ़ावा देने के लिए कला और शिल्प गांवों का विकास करना।	82.44
24		2021-2022	राज्य स्तरीय जनजातीय चित्रकला कला प्रतियोगिता एवं जनजातीय कलाकारों एवं उद्यमियों का सम्मान	9.16
25	मिजोरम	2022-2023	जनजातीय कला और शिल्प, युवा कलाकार सतत विकास	25

26	ओडिशा	2023-2024	ओडिशा के जनजातीय कलाकारों द्वारा जनजातीय चित्रकला कार्यशाला सह प्रदर्शनी	10
27		2023-2024	जनजातीय संग्रहालय का प्रचार-प्रसार एवं उसका प्रबंधन - संग्रहालय परिसर में जनजातीय कलाकारों एवं कारीगरों द्वारा जनजातीय कला एवं शिल्प का सजीव प्रदर्शन	45
28		2022-2023	उत्पाद विविधीकरण, पैकेजिंग या ब्रांडिंग और 500 मास्टर जनजातीय कारीगरों (10 समूहों में 50 प्रशिक्षुओं का बैच) के डिजिटल मार्केटिंग और ट्राइफेड, निफ्ट और ओआरएमएएस के सहयोग से बाजार लिंकेज पर जनजातीय कारीगरों का क्षमता निर्माण प्रशिक्षण	50
29		2022-2023	जनजातीय आदान-प्रदान यात्रा (जनजातीय नृत्य और जनजातीय कला या शिल्प कार्यक्रमों में भागीदारी)	25
30		2022-2023	संग्रहालय परिसर में जनजातीय शिल्प और कला का सजीव प्रदर्शन (समृद्ध जनजातीय कला या संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए) वर्ष भर {प्रत्येक बैच में 10 जनजातीय कारीगर प्रति रात रोटेशन के आधार पर) प्रति कारीगर प्रति दिन 1000 रुपये	40
31		2021-2022	ओडिशा के जनजातियों के उत्पादों, चित्रकला, कला, हस्तशिल्प, कलाकृतियों, व्यंजनों का दस्तावेजीकरण तथा जनजातीय कारीगरों को सम्मानित करना और उनकी सफलता की कहानियों का सम्मान करना	15
32		2021-2022	पैकेजिंग, उत्पाद विविधीकरण और डिजिटल मार्केटिंग पर जनजातीय कारीगरों के 2 बैचों को क्षमता निर्माण प्रशिक्षण प्रदान करना	20
33	तमिलनाडु	2021-2022	जनजातीय कला और शिल्प पर कार्यशाला	6
34	त्रिपुरा	2022-2023	दो दिवसीय राज्य स्तरीय जनजातीय चित्रकला/कला प्रतियोगिता का आयोजन एवं प्रख्यात जनजातीय कलाकारों का सम्मान	10
35	उत्तर प्रदेश	2021-2022	राज्य स्तरीय जनजातीय चित्रकला/कला प्रतियोगिता का आयोजन और जनजातीय कलाकारों और उद्यमियों को सम्मानित करना (डाक/कूरियर द्वारा प्रविष्टियां आमंत्रित करना) और स्थिति के आधार पर उन्हें वर्चुअल या शारीरिक रूप से सम्मानित करना। संभावित तिथि मार्च 2022	10

अनुलग्नक-I (ख)

क्र. सं.	राज्य का नाम	वित्तीय वर्ष	परियोजना का नाम	परियोजना राशि (लाख में)
1	आंध्र प्रदेश	2022-2023	छह जनजातीय भाषाओं अर्थात सवारा, कोंडा, कुवी, जनजातीय उड़िया, कोया और सुगाली के बीच शब्दकोशों का विकास और टीआरआई प्रकाशन	60
2		2021-2022	जटापु, गदाबा और येरुकुला उप जनजातियों की जनजातीय भाषाओं के प्राइमरों का विकास (प्रारंभिक (एनईपी आवश्यकताओं के अनुरूप स्तर 1)	6
3	छत्तीसगढ़	2023-2024	जनजातीय भाषाओं में वीडियो प्रलेखन। सिकल सेल एनीमिया बीमारी के बारे में जागरूकता के संबंध में [गोंडी (गोंड), हल्बी (हल्बा), बैगानी (बैगा), बिरहोरी (बिरहोर) और कमारी (कमार)] सहित।	35.33
4	झारखंड	2023-2024	परहैया, माल पहाड़िया सबर और कोरवा भाषा के व्याकरण, गद्य और पद्य पर लेखन कार्यशाला और पुस्तकों का प्रकाशन	15
5		2023-2024	असुर, बिरहोर, बिरजिया और माल्टो भाषाओं के व्याकरण, गद्य और पद्य संबंधी पुस्तकों का प्रकाशन	15
6		2022-2023	असुरी कोरवा सवर और परहैया आदिम जनजाति (पीवीटीजी) भाषाओं के लिए प्राइमर (बच्चों के लिए सचित्र) पुस्तकों का विमोचन	8
7	केरल	2023-2024	मलईपंडारम जनजातीय भाषा के लिए प्राइमर की तैयारी	4.46
8	मिजोरम	2021-2022	मिजोरम में जनजातीय भाषाओं में प्रारंभिक पुस्तकों का डिजिटल भंडार।	5
9	ओडिशा	2022-2023	जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों और भारत की स्वतंत्रता पर सभी 21 जनजातीय भाषाओं में छात्रों के बीच राज्य स्तरीय जनजातीय निबंध, वाद-विवाद प्रतियोगिता	10

10		2022-2023	श्रव्य दृश्य सामग्री का विकास {ओडिशा के चयनित सांस्कृतिक रूप से जीवंत समुदायों की जनजातीय संस्कृति पर तीन भाषाओं - अंग्रेजी, ओडिया और हिंदी में 40 लघु ऑडियो वीडियो) संग्रहालय के कियोस्क में वर्चुअल मोड और इंटरेक्टिव मोड में प्रदर्शन के लिए (शूटिंग, संपादन और अंतिम 80.00 उत्पाद सहित प्रत्येक वीडियो के लिए रु. 2 लाख स्वीकृत मिनट की अवधि)	80
11		2021-2022	टीआरआई द्वारा जनजातीय भाषाओं में प्राथमिक पुस्तकों का डिजिटल संग्रह और प्रलेखन विकसित किया गया	10
12	त्रिपुरा	2022-2023	त्रिपुरा की कार्बोंग उप-जनजातियों पर एक नृवंशविज्ञान संबंधी अध्ययन जिसमें आवास, आजीविका, कार्बोंग उप-जनजातियों का मानचित्रण, भाषा आदि शामिल हैं।	8
13		2021-2022	19 जनवरी, 1979 को कोकबोरोक को राज्य भाषा के रूप में मान्यता मिलने के 25 वर्ष पूरे होने पर 2004 से हर वर्ष 19 जनवरी को कोकबोरोक दिवस मनाया जाता है।	10
14		2021-2022	कोकबोरोक प्रोग्रामिंग पर प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण एक अनुवाद लिंगो सॉफ्टवेयर (कोकबोरोक से चयनित वैश्विक भाषाओं में और इसके विपरीत) अवधि 06 महीने	15

अनुलग्नक-I (ग)

क्र. सं.	राज्य का नाम	वित्तीय वर्ष	परियोजना का नाम	परियोजना राशि (लाख में)
1.	आंध्र प्रदेश	2023-2024	3 दिनों के लिए अंतरराज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम 5 समूह x 5 सदस्य = 25 सदस्य	5
2.		2022-2023	अंतरराज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम	5
3.		2021-2022	अंतरराज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम	5
4.	एनटीआरआई दिल्ली	2021-2022	जनजातीय नृत्य, जनजातीय कला या शिल्प प्रदर्शनी और जनजातीय व्यंजन प्रदर्शनी (40 कारीगरों/कलाकारों की भागीदारी वाली एक माह में दो बार एक सप्ताह की अवधि) आयोजित करके आजीविका को बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम।	150
5.	जम्मू और कश्मीर	2023-2024	जनजातीय अधिकार, सांस्कृतिक संरक्षण, सतत विकास और पहचान सम्बंधी पैनल चर्चा।	10
6.		2023-2024	सांस्कृतिक उत्सवों और कार्यक्रमों के लिए जनजातीय कलाकारों और कारीगरों द्वारा विभिन्न राज्यों का दौरा	20
7.	झारखंड	2021-2022	उड़ीसा में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक उत्सव में भाग लेने के लिए सांस्कृतिक दलों को भेजना।	5
8.	ओडिशा	2022-2023	श्रव्य दृश्य सामग्री विकास {ओडिशा के चयनित सांस्कृतिक रूप से जीवंत समुदायों की जनजातीय संस्कृति पर तीन भाषाओं - अंग्रेजी, ओडिया और हिंदी में 40 मिनट की अवधि श्रव्य दृश्य) संग्रहालय के कियोस्क में वर्चुअल मोड और इंटरेक्टिव मोड में प्रदर्शन के लिए (शूटिंग, संपादन और अंतिम 80.00 उत्पाद सहित प्रत्येक वीडियो के लिए 2 लाख रूपये स्वीकृत)	80
9.	तमिलनाडु	2023-2024	नीलगिरि जनजाति सांस्कृतिक पुनरुद्धार और सतत विकास परियोजना	30
10.	तेलंगाना	2021-2022	जनजातीय और बंजारा भवन में जनजातीय सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना जनजातीय भवन	10
11.		2021-2022	जनजातीय और बंजारा भवन बंजारा भवन में जनजातीय सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना	10
12.		2021-2022	मेदाराम जात्रा-2022 के दौरान जनजातीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था	10
13.	पश्चिम बंगाल	2021-2022	सांस्कृतिक अनुसंधान संस्थान का बुलेटिन, शोध अध्ययनों और संगोष्ठी कार्यवाही सम्बंधी प्रकाशन	1

****